अभ्यास

मौखिक प्रश्न

उत्तर दीजिए।

क. ध्रुव तारा किसे कहा गया है? भारत को

ख. कवि ने किसे अपना सौभाग्य माना है? भारत भूमि में जन्म लेना

ग. कवि ने विश्व में किस देश को सर्वाधिक सुंदर माना है? भारत देश को

घ. हमारा कौन-सा सपना सच होने वाला है? चाँद और मंगल का सपना

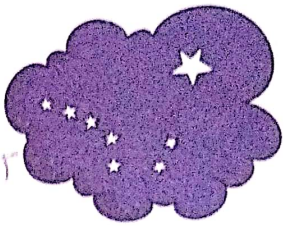

लिखित प्रश्न

1. **सही उत्तर पर ✓ लगाइए।**

क. कवि को भारतभूमि में क्या करना प्यारा लगता है?

( ) जीना ( ) मरना (✓) जीना और मरना दोनों

ख. अमर तिरंगा उछालकर किसने ललकारा है?

( ) स्वतंत्रता सेनानी ने (✓) नवयुग ने ( ) राष्ट्र ने

2. **कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए।** स्वयं करें।

पर्वत-पर्वत _____ बढ़ाता,

सागर की _____।

_____ बनाता,

चलता _____।।

3. **काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

धूप खुली है, खुली हवा है,
सौ रोगों की एक दवा है।
चंदन की खुशबू से भीगा-
भीगा आँचल सारा है।।

क. कवि ने सौ रोगों की एक दवा किसे माना है?

कवि ने सौ रोगों की एक दवा खुली हवा को माना है।

ख. खुशबू का समानार्थी शब्द लिखिए।

सुगंध

Scanned with CamScanner

ग. स्वस्थ रहने के लिए क्या अनिवार्य है?

स्वस्थ रहने के लिए खुली हवा और खुली धूप अनिवार्य है।

घ. सुगंधित वातावरण को दर्शाती पंक्तियाँ काव्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए।

चंदन की खुशबू से भीगा - भीगा ऑंचल सारा है

4. उत्तर लिखिए।

क. कवि ने किस नारे का उद्घोष किया है?

ख. कवि ने भारतभूमि की तुलना ध्रुव तारे से क्यों की है?

क्योंकि जिस प्रकार ध्रुवतारा अटल अचल तथा पथप्रदर्शक है उसी प्रकार भारत ने भी सम्पूर्ण विश्व को राह दिखाया है।

ग. 'नवयुग की ललकार' से कवि का क्या आशय है?

नवयुग की ललकार से कवि का आशय चाँद और मंगल के सपने का है जो अब सच होने वाला है।

घ. किन पंक्तियों से पता चलता है कि हम निरंतर प्रगति कर रहे हैं?

5. उत्तर विस्तार से अभ्यासपुस्तिका में लिखिए।

क. कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

ख. कविता के आधार पर भारतभूमि की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

6. सुनो और लिखो।

ध्रुव तारा खुशबू झुकेंगे, बनजारा, उछालकर नवयुग ललकारा सौभाग्य

सोचो और बताओ

कवि ने मन को बनजारा क्यों कहा है?

जिस प्रकार बनजारे निरन्तर भ्रमणशील, उन्मुक्त तथा स्वतन्त्र जीवन जीते हैं, उसी प्रकार मन भी स्वच्छन्द रूप से विचरण करता है।

Scanned with CamScanner

भाषा बोध

1. अनुस्वार के स्थान पर पंचमाक्षर लगाकर लिखिए।

क. चंदन	चन्दन	ख. सुंदर	सुन्दर
ग. मंगल	मङ्गल	घ. तिरंगा	तिरङ्गा
ङ. पंछी	पन्छी	च. कंचा	कञ्चा
छ. कंठ	कण्ठ	ज. घंटा	घण्टा
झ. संभव	सम्भव	ञ. संपूर्ण	सम्पूर्ण

ङ ञ ण न तथा म पंचमाक्षर हैं। ये अपने वर्ग के किसी वर्ण से पहले आने पर अनुस्वार के रूप में लगते हैं।

2. वर्ण-विच्छेद कीजिए।

क. ध्रुव	ध् + र् + उ + व् + अ
ख. सौभाग्य	स् + औ + भ् + आ + ग् + य् + अ
ग. पर्वत	प् + अ + र् + व् + अ + त् + अ
घ. खुशबू	ख् + उ + श् + ब् + ऊ
ङ. ध्वज	ध् + व् + अ + ज् + अ

3. दिए गए शब्दों के विलोम रूप लिखिए।

क. जीना	मरना	ख. जन्म	मरण
ग. धूप	छाँव	घ. सौभाग्य	दुर्भाग्य
ङ. खुशबू	बदबू	च. सुंदर	असुंदर
छ. देश	विदेश	ज. सच	झूठ

4. दिए गए शब्दों के समानार्थी रूप लिखिए।

क. जग	संसार	ख. पथ	रास्ता
ग. हवा	पवन	घ. आसमान	आकाश
ङ. धरती	भूमि	च. सागर	समुद्र
छ. पर्वत	पहाड़	ज. चाँद	राकेश

Scanned with CamScanner

5. कविता में से व्यक्तिवाचक, जातिवाचक तथा भाववाचक संज्ञाएँ ढूँढ़कर लिखिए।

क. व्यक्तिवाचक संज्ञा — भारत, ध्रुव

ख. जातिवाचक संज्ञा — पर्वत, सागर

ग. भाववाचक संज्ञा — जीना, मरना

पाठ - 1

प्र० 5 (क) कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर :- प्रस्तुत कविता में भारत भूमि को ध्रुव तारा की संज्ञा देकर सम्पूर्ण विश्व का पथ प्रदर्शक बताया गया है। कविता में जन्मभूमि की विशेषताओं का वर्णन करते हुए कहा गया है कि जन्म भूमि के समान जन्म स्थान नहीं है। इसके उत्थान के लिए लोग जीने और मरने के लिए तैयार है। हम धन्य हैं जो हमने भारत-भूमि पर जन्म लिया है इसकी रक्षा के लिए हम हमेशा तैयार हैं। अब तो भारत के युवा पर्वत के ऊँचाइयों को पार करते हुए चाँद और मंगल पर तिरंगा लहराकर नवयुग निर्माण की ओर अग्रसर हैं।

प्र० 5(ख) - भारत भूमि की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

उत्तर - कविता के आधार पर भारत भूमि की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :-

1- भारतभूमि सम्पूर्ण विश्व की पथप्रदर्शक है।
2- भारतभूमि से बढ़कर कोई देश नहीं है।
3- चाँद और मंगल पर जाने का सपना अब सच हो रहा है।
4- भारतभूमि के लोग हर कठिन परिस्थिति का मुकाबला करने को प्रतिबद्ध हैं।

Scanned with CamScanner

जन्मभूमि से बढ़कर सुंदर,
कौन देश है इस धरती पर।
इसमें जीना भी प्यारा है,
इसमें मरना भी प्यारा है।।

चाहे आँधी शोर मचाए,
चाहे बिजली आँख दिखाए।
हम न झुकेंगे, हम न रुकेंगे,
यही हमारा नारा है।।

पर्वत-पर्वत पाँव बढ़ाता,
सागर की लहरों पर गाता।
आसमान में राह बनाता,
चलता मन बनजारा है।।

चाँद और मंगल का सपना,
सच होने जाता है अपना।

Scanned with CamScanner

5- भारतभूमि में जन्म लेना सौभाग्य की बात है।

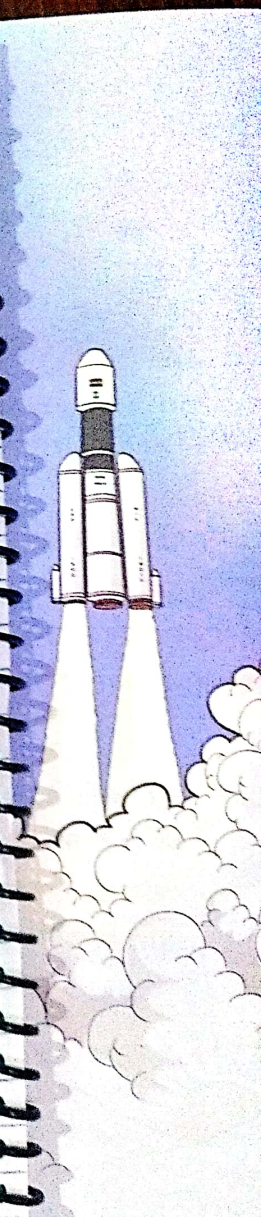

Scanned with CamScanner